



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 406]

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 11, 1999/श्रावण 20, 1921

No. 406]

NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 11, 1999/SRAVANA 20, 1921

कृषि मंत्रालय

(पशुपालन और डेयरी विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 11 अगस्त, 1999

सा०का०नि० 585(अ).—पशुधन अधिनियम, 1898 (1898 का अधिनियम 9) के खंड 3 के उपखंड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार, कृषि मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 50-22/77-एल.डी.टी (क्यू.)/खंड दिनांक 4 फरवरी, 1998 का अतिक्रमण करते हुए उन देशों से पशुओं की अश्वीय प्रजातियों के आयात को तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित करती है जहां विगत तीन वर्षों के दौरान संक्रामक अश्व मेटेरीटिस की सूचना मिली है।

अथवा किसी ऐसे अन्य देश से जिसकी अश्वीय प्रजाति भारत में आयात करने के लिए आयात करने से पहले विगत दो वर्षों के दौरान संक्रमित अश्व मेटेरीटिस से प्रभावित देशों से आई हों अथवा वहां पाली गई हो अथवा वहां की यात्रा की हो सिवाय 7 वर्ष आयु के नर अश्वीय प्रजाति तथा 5 वर्ष आयु की मादा अश्वीय प्रजाति जो प्रजनन स्टाक के कभी सम्पर्क में न रहें हो।

बशर्ते कि, अधिनियम में विनिर्दिष्ट स्वास्थ्य अपेक्षाओं के अलावा, अश्वों को भारत में आयात करते समय प्राधिकृत पशुचिकित्सक का पशुचिकित्सा स्वास्थ्य प्रमाणपत्र साथ हो जिसमें यह उल्लेख हो कि पशु पिछले दो वर्ष के दौरान प्रजनन स्टाक के सम्पर्क में नहीं रहा है तथा निर्यात के लिए जहाज पर चढ़ाने से तीस दिन पूर्व के दौरान मानक जीवाणु-समूह के तीन क्रमबद्ध परीक्षणों में इन पशुओं के शिशनमुण्डच्छद, मूत्रमार्ग तथा योनि, सर्विक्स से एकत्रित फाहा पेथोजेनिक माइक्रो-ऑर्गेनिज्म विशेषकर तबलोरेला इक्वीजेनिटेलिस के लिए नकारात्मक पाया गया है।

इस शर्त पर भी कि भारत में पहुंचने पर ऐसे आयातित अश्वों को सरकारी संगरोध केन्द्र में कम से कम 30 दिनों की अवधि के लिए संगरोध में रखा जाएगा। इस संगरोध अवधि के दौरान, आयातित अश्वों की साप्ताहिक अंतरालों पर तीन क्रमबद्ध अवसरों पर मान्यताप्राप्त प्रयोगशालाओं द्वारा बैक्टेरिऑलॉजिकल तथा सेरोलॉजिकल जांच की जाएगी और संसर्गजन्य अश्व मेटेरीटिस संक्रामक रोग से मुक्त पाए जाने के बाद अन्य स्टाक के साथ मिलने की अनुमति प्रदान की जाएगी तथा संगरोध अधिकारी द्वारा अश्वों की विहित अनुसूची में निर्धारित स्वास्थ्य प्रोटोकॉल के अनुसार जांच पड़ताल की जाएगी।

अश्वों का आयात, दिल्ली, कलकत्ता, मुम्बई तथा चेन्नई स्थित अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों से अथवा भारत सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित किसी अन्य हवाई अड्डे से ही किया जाएगा।

अनुसूची

अश्व आयात के लिए स्वास्थ्य प्रोटोकाल

1. अश्व ऐसे देश से आने चाहिए जो अफ्रीकन अश्व रोग से मुक्त हों।
- 1(क). सम्पूर्ण प्रजनक अश्वों के मामले में, अश्वों के आयात की अनुमति केवल प्रजनन प्रयोजनों के लिए दी जाएगी।
2. अश्व के निर्यात के ठीक पहले के एक सौ अस्सी दिनों के दौरान, अश्वों को किसी ऐसे देश में नहीं ले जाया गया हो जहां इसके निर्यात के विगत दो वर्षों में कोई अफ्रीकन अश्व रोग उत्पन्न हो चुका हो।
3. आयात किए जाने वाले अश्व को अनुमोदित सरकारी पशु संगरोध केन्द्र में 30 दिन के लिए अलग से रखा गया हो तथा उस पर निम्नलिखित परीक्षण किए गए हों और उनका परिणाम नकारात्मक हो;

रोग	नैदानिक जांच	
ग्लैंडर	मैलिगन कम्पलीमेंट फिक्सेशन टेस्ट (सी.एफ.टी.)	पशुओं को जहाज पर चढ़ाने के 15 दिन पहले
डॉरीन	कंपलीमेंट फिक्सेशन टेस्ट (सी.एफ.टी.)	पशुओं को जहाज पर चढ़ाने के 15 दिन पहले
अश्व संक्रामक रोग एनिमिया	कागीन्स (इम्यूनोडिफ्यूजन परीक्षण)	पशुओं को जहाज पर चढ़ाने के 30 दिन पहले
संक्रामक अश्व अबोरशन (सल्लमोनेल्ला अबोर्टस इक्वी)	सेरम अगग्लुटिनेशन परीक्षण (एक/तीन हजार से ज्यादा टाइट्र नहीं)	पशुओं को जहाज पर चढ़ाने के 15 दिन पहले
अश्व विषाणु आर्टेरिटिस (इ.वी.ए.)	विषाणु न्यूट्राइजेशन जांच	पशुओं को जहाज पर चढ़ाने से पहले 28 दिनों के दौरान चौदह दिनों के अंतराल में कम से कम दो बार रोग मुक्त घोषित किया जाए।
अश्व पिरोप्लास्मोसिस (बाबेसिया इक्वी और बाबेसिया कावल्ली)	कंपलीमेंट फिक्सेशन टेस्ट (सी.एफ.टी.)/ इंडाइरेक्ट फ्लूसेंट एंटीबाडी टेस्ट (आई.एफ.ए.टी.)	पशुओं को जहाज पर चढ़ाने के 30 दिन पहले
बेनेजुएलन अश्व एन्सेफेलोमिलिटिस	हीमेग्लुटिनेशन इन्हिबिशन (एच. आई.)/ कंपलीमेंट फिक्सेशन टेस्ट (सी.एफ.टी.)/ प्लेक रिडक्शन न्यूट्राइजेशन टेस्ट (पी.आर.एन.टी.)	निर्यात पूर्व संगरोध शुरू करने से चौदह दिन के भीतर
एक्वीन मोराविली	सीरम न्यूट्राइजेशन	
वायरस	परीक्षण	

टिप्पणी :—ऐसे रोगों के संबंध में परीक्षण अनिवार्य नहीं है जो निर्यातक देश में नहीं पाए जाते हैं तथापि, योग्य पशुचिकित्सक से रोग से मुक्ति को प्रमाणित करते हुए एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

4. जहाज पर चढ़ाने समय या जहाज पर चढ़ाने से तीन माह पूर्व अश्वों में संक्रामक और संसर्गजन्य रोगों के कोई नैदानिक चिह्न या लक्षण नहीं दिखाई देने चाहिए जिसमें शामिल हैं—अफ्रीकन हॉर्स सिकनैस, एपीजूटिक लिमफैन्जिटिस, अल्सरेटिव लिमफैन्जिटिस, ट्राईपेनसोमियासिस, डाउरिन, इक्वीन पीरोप्लासमोसिस, इक्वीन रिओन्यूमोनीटिस, इक्वीन एनसीफलोमाइलिटिस, इक्वीन एनफलूएंजा, इक्वीन इनफैक्सियस एनीमिया, फोटोमैक हॉर्स फीवर, गैटा वायरस और वेसीकूलर, स्टोमैटिटिस।

5. जहाज पर चढ़ाने से पूर्व अश्वों को तीन माह के लिए ऐसे संस्थान में रखना चाहिए जहां किसी भी तरह के संसर्गजन्य या संक्रामक रोग की कोई सूचना नहीं पाई गई हो और न ही ऐसे रोगों की सूचना उस संस्थान के आस-पास बीस किलोमीटर के दायरे में मिली हो।

6. निर्यात करने से पहले सभी पशुओं को एक्वीन एनफलूएंजा (किल्ड) बाइविलेंट वैक्सीन का टीकाकरण करना चाहिए और अंतिम टीकाकरण जहाज पर चढ़ाने से पन्द्रह से तीस दिनों के भीतर होना चाहिए।

7. अश्वों को ले जाने में प्रयोग किए गए सभी उपकरणों, पात्रों, वाहनों और जहाज पर वायुयान के भागों को, सरकारी पशुचिकित्सक प्राधिकारियों द्वारा अनुमोदित रोगाणुनाशी दवा से साफ और विसंक्रमित किया गया हो।

8. भारत में आयात करने के बाद अश्वों को कम से कम तीस दिनों की अवधि के लिए सरकारी संगरोध केन्द्र या ऐसे परिसर में रखना चाहिए जो विशेष रूप से इस उद्देश्य के लिए कृषि मंत्रालय द्वारा अनुमोदित हो। इस संगरोध अवधि के दौरान अश्वों की साप्ताहिक अंतरालों पर

तीन क्रमबद्ध अवसरों पर मान्यताप्राप्त प्रयोगशालाओं द्वारा संसर्गजन्य अश्व मैट्रिसिस संक्रामक रोग के लिए मानक जीवाणु समूह तथा सैरालाजिकल जांच की जाएगी तथा संसर्गजन्य अश्व मैट्रिसिस रोग से मुक्त पाए जाने के बाद अन्य स्टॉक के साथ मिलने की अनुमति प्रदान की जाएगी।

9. संक्रामक बोधित देशों के अलावा अन्य देशों से आयातित अश्वों को निर्यातक देश से निर्यात के लिए जहाज से पर चढ़ाने से पूर्व शुरू होने वाली 12 माह की अवधि के दौरान संक्रमित किसी भी देश में नहीं रखा गया हो।

9.1 परेषण के साथ निर्यातक क्षेत्र के प्राधिकृत पशु चिकित्सक का इस संबंध में प्रमाणपत्र साथ होना चाहिए कि देश निर्यात के तुरंत पूर्व से तीन वर्षों के दौरान अश्व संसर्गजन्य गर्भाशय शोध रोग से मुक्त रहा है।

[फा. सं. 50-22/77-एल डी टी (ए क्यू)/भाग]

पवन रैना, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE
(Department of Animal Husbandry and Dairying)

NOTIFICATION

New Delhi, the 11th August, 1999

G.S.R. 585(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of section 3 of the Livestock Importation Act, 1898 (Act 9 of 1898) as amended by Livestock Importation Amendment Act, 1953 (Act 1 of 1953) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture No. 50-22/77-LDT(AQ)/Pt. dated the 4th February, 1998, the Central Government hereby prohibits with immediate effect import of equine species of animals from the countries where Contagious Equine Metritis is reported during the last three years, or from any other country whose equine stock meant for import into India had originated from, or reared in, or visited any of the Contagious Equine Metritis Infected countries during the immediate past two years prior to importation, except males upto seven years and females upto five years of age which have never been mated or were in contact with the breeding stock : -

Provided that, in addition to the health requirements specified under the Act, the equines to be imported into India are accompanied by a Veterinary Health Certificate from an authorised Veterinarian stating that the animals have not been in contact with the breeding stock during the last two years and that the swabs collected from prepuce, urethra, vagina and cervix of these animals were found negative for pathogenic micro-organisms specifically *Taylorella equigenitalis*, by standard culture on three consecutive testing during thirty days immediately prior to embarkation for export:

Provided further that such imported equines on arrival in India shall be kept in quarantine for a minimum period of thirty days at the Government Quarantine Stations. During this quarantine period, the imported equines shall be subjected to bacteriological and serological examinations by recognised laboratories, on three consecutive occasions, conducted at weekly intervals and shall be permitted to mix with other stock only when declared negative for Contagious Equine Metritis infection and Quarantine Officer shall examine the equine as per health protocol specified in the Schedule;

The equine shall only be imported through the international airports of Delhi, Calcutta, Mumbai and Chennai, or any other airport notified by the Government from time to time.

SCHEDULE

HEALTH PROTOCOL FOR IMPORTATION OF EQUINES

1. The equines should come from a country free from African Horse Sickness.

1(a). In case of Thoroughbred horses, import will be allowed for breeding purposes only.

2. During one hundred eighty days immediately prior to export, the equine should have not visited any country where African Horse Sickness occurred in the past two years immediately preceding the export.

3. The equine being imported has been kept in isolation for thirty days in an approved Government quarantine station and subjected to the following tests with negative results :

Disease	Diagnostic Test	
(1)	(2)	(3)
Glanders	Mallein/Complement Fixation Test (CFT)	Fifteen days before embarkation.
Dourine	Complement Fixation Test (CFT)	Fifteen days before embarkation.

(1)	(2)	(3)
Equine Infectious Anaemia	Coggins (Immunodiffusion Test)	Thirty days before embarkation.
Infectious Equine Abortion (<i>Salmonella abortus equi</i>)	Serum Agglutination Test (titre not greater than one/three thousand)	Fifteen days before embarkation.
Equine Viral Arteritis (EVA)	Virus Neutralisation Test	Two occasions at least fourteen days apart with negative result during twenty eight days prior to shipment.
Contagious Equine Metritis	Culture of micro-organism	Three consecutive tests at weekly interval during pre-export quarantine period with negative results.
Equine Piroplasmiasis (<i>Babesia equi</i> and <i>Babesia caballi</i>)	Complement Fixation Test (CFT)/Indirect Fluorescent Antibody Test (IFAT)	30 days before embarkation.
Venezuelan equine Encephalomyelitis	Haemagglutination Inhibition (HI)/Complement Fixation Test (CFT)/Plaque Reduction Neutralisation Test (PRNT)	Not less than fourteen days after the commencement of pre-export quarantine.
Equine Morbilli Virus	Serum Neutralisation Test (SNT)	

N.B. : No testing is necessary in respect of such diseases which do not occur in the exporting country. However, a certificate from a qualified veterinarian should be furnished certifying freedom from the disease.

4. The equines should not show any clinical signs or symptoms of infectious or contagious diseases including African Horse Sickness, Epizootic Lymphangitis, Ulcerative Lymphangitis, Trypanosomiasis, Dourine, Equine Piroplasmiasis, Equine Rhipopneumonitis, Equine Encephalomyelitis, Equine Influenza, Equine Infectious Anaemia, Potomac Horse Fever, Getah Virus and Vesicular Stomatitis on the day of shipment and during the three month prior to shipment.

5. The equines have to be kept for three months prior to shipment in an establishment where no infectious or contagious disease was reported and no such diseases reported in a radius of twenty kilometers around such establishment.

6. All animals prior to export should have been vaccinated with Equine Influenza (Killed) bivalent vaccine, and the last vaccination should be within fifteen to thirty days prior to embarkation.

7. All equipments, containers, vehicles and parts of the vessels or aircraft used for transportation of the equines were cleaned and disinfected using disinfectant approved for the purpose by the Government Veterinary Authorities.

8. After import in India, the equines should be kept in quarantine for a minimum period of (thirty) days at the Government Quarantine Station or premises specifically approved by the Ministry of Agriculture for this purpose. During this quarantine period, the equines shall be subjected to standard culture and serological examination for contagious equine metritis infection by a recognised laboratory on three consecutive occasions at seven days interval and shall be permitted to mix with other stock only when declared negative for Contagious Equine Metritis infection.

9. Equines imported from countries other than those reported infectious must not have been boarded in any of the infected countries during the period commencing twelve months prior to embarkation for export from the exporting country.

9.1 A certificate issued by an authorised veterinarian of the exporting country to the effect that the country has remained free of Contagious Equine Metritis disease during the three years immediately prior to export must accompany the consignment.

[F.No. 50-22/77-LDT(AQ)/Pt.]

PAVAN RAINA, Jt. Secy.